भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. *503

सोमवार, 30 मार्च, 2026/9 चैत्र, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन शिक्षा तथा चलो इंडिया अभियान

***503. श्री सुधीर गुप्ता:**

श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) के सहयोग से 10,000 टूर गाइडों को प्रशिक्षित करने के लिए एक प्रायोगिक परियोजना सफलतापूर्वक शुरू की गई है और इस परियोजना के अंतर्गत भरतपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के युवाओं को प्रशिक्षित किए जाने की भी योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) 'चलो इंडिया ग्लोबल डायस्पोरा कैंपेन' से वर्ष 2026 तक एक लाख निःशुल्क ई-वीजा को पर्यटकों के वास्तविक आगमन में किस प्रकार सफलतापूर्वक परिवर्तित किया गया है और क्या इस अभियान के फलस्वरूप भरतपुर में केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है;

(ग) राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी परिषद को एक राष्ट्रीय स्तर का संस्थान बनाने के लिए इसके पाठ्यक्रम में किए जा रहे विशिष्ट बदलावों का ब्यौरा क्या है;

(घ) फरवरी, 2026 में आयोजित 'देखो अपना देश, पीपल्स च्वाइस 2024 विनर्स' समारोह से छात्रों को पर्यटन शिक्षा के प्रति किस प्रकार प्रोत्साहित किया गया है; और

(ङ) क्या सरकार ने राजस्थान के भरतपुर, नाथद्वारा, कुम्भलगढ़, मेवाड़ और मारवाड़ क्षेत्रों के छात्रों की पर्यटन शिक्षा में भागीदारी बढ़ाने के लिए कोई विशेष पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्री सुधीर गुप्ता और श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव द्वारा पर्यटन शिक्षा तथा चलो इंडिया अभियान के संबंध में दिनांक 30.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न संख्या *503 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

(क): वर्ष 2026 के केंद्रीय बजट में गुणवत्ता, परिणाम और प्रमाणन के संदर्भ में राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा (एनएसक्यूएफ) और राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचा (एनसीआरएफ) के साथ संबद्ध 12 सप्ताह की संरचित शैक्षणिक और फील्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से पूरे भारत में 20 प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों पर 10000 गाइडों के कौशलवर्धन के लिए पायलट योजना की घोषणा की गई। पर्यटक गाइडों का यह कौशलवर्धन देश में पेशेवर रूप से प्रशिक्षित, जानकार और जिम्मेदार गाइड तैयार करने के लिए है, जिसमें भरतपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के युवा भी शामिल हैं।

यह कार्यक्रम भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय तथा अन्य हितधारकों के सहयोग से आयोजित किया जाना है। यह प्रशिक्षण सत्र वित्तीय वर्ष 2026-27 में आयोजित किया जाना है।

(ख): पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रवासी भारतीय सदस्यों के लिए अपने गैर-भारतीय मित्रों को प्रतिवर्ष भारत की यात्रा के लिए प्रोत्साहित करके अतुल्य भारत के दूत बनने हेतु 'चलो इंडिया' पहल की शुरुआत की गई। इस पहल का उद्देश्य भरतपुर के केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटन एवं उत्पादों के संवर्धन सहित देश के पर्यटक स्थलों और पर्यटन उत्पादों के संवर्धन के लिए वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी को बढ़ाना है। पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों, यात्रा व्यापार उद्योग और राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के सहयोग से विदेश में संभावित स्रोत बाजारों में पर्यटन संवर्धन संबंधी कार्यकलाप संचालित करता है।

(ग): वर्ष 2026 के केंद्रीय बजट में आतिथ्य उद्योग की वर्तमान मांग के अनुसार शिक्षा, उद्योग और सरकार को आपस में जोड़ने के लिए मौजूदा राष्ट्रीय होटल प्रबंधन एवं खानपान प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी) का उन्नयन कर एक राष्ट्रीय आतिथ्य संस्थान (एनआईएच) स्थापित करने की घोषणा की गई। निरंतर परिवर्तनशील वैश्विक रुझानों और आतिथ्य उद्योग की स्थिति के साथ पाठ्यक्रमों को प्रासंगिक बनाने के लिए एनसीएचएमसीटी के पाठ्यक्रम का समय-समय पर अद्यतनीकरण किया जाता है।

(घ): पर्यटन मंत्रालय ने दिनांक 7 मार्च 2024 को श्रीनगर में 'भारत की जनता' की पसंद को समझने के लिए 'देखो अपना देश, पीपुल्स चॉइस 2024' लॉन्च किया, जो पहला राष्ट्रव्यापी आईपी (बौद्धिक संपदा) है। इस राष्ट्रव्यापी चुनाव का उद्देश्य नागरिकों के साथ जुड़ना था, ताकि, सबसे पसंदीदा पर्यटक आकर्षणों को चिह्नित किया जा सके और 5 पर्यटन श्रेणियों - आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विरासत, प्रकृति और वन्यजीव, साहसिक और अन्य के संबंध में पर्यटकों की धारणाओं को समझा जा सके।

पर्यटन मंत्रालय ने केंद्रीय विद्यालय (केवी) और नवोदय विद्यालय (एनवी) के छात्रों को अपने जिले में मौजूद पर्यटक स्थलों के बारे में जागरूक बनाने के लिए उनके लिए देखो अपना देश (डीएडी) हस्तलिखित ब्रोशर प्रतियोगिता भी शुरू की। छात्रों को अपने स्कूल के आसपास के एएसआई स्मारकों और अन्य स्थलों को जाकर देखने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इस पहल के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप किए गए:

- आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र में करियर के अवसरों के बारे में स्कूल के छात्रों और उनके माता-पिता के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने लगभग 10 राज्यों में पर्यटन शिक्षा एक्सपो 2026 का आयोजन किया।
- पर्यटन मंत्रालय के तहत पर्यटन और आतिथ्य शिक्षा के प्रमुख संस्थानों को बढ़ावा देने के लिए करियर संबंधी परामर्श सत्र, पर्यटन एवं आतिथ्य जगत के प्रमुख हस्तियों के साथ संवाद, संस्थानों का कैंपस दौरा आदि का आयोजन किया गया।
- डीएडी स्कूल प्रतियोगिता के लिए 2 से 4 पृष्ठों का हस्तलिखित प्रचार संबंधी ब्रोशर तैयार करना। छात्रों द्वारा लगभग 2000 हस्तलिखित ब्रोशर तैयार किए गए।
- विजेता स्कूलों और छात्रों को फरवरी 2026 से विभिन्न राज्यों में आयोजित विजेताओं के समारोह में सम्मानित किया गया।
- पसंदीदा स्मारक का चित्र बनाना, अग्नि रहित खाना पकाना, पर्यटन पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि जैसी एक स्थान पर ही होने वाली प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

पर्यटन शिक्षा एक्सपो के साथ-साथ देखो अपना देश हस्तलिखित ब्रोशर बनाने की प्रतियोगिता ने छात्रों को पर्यटन शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया।

(ङ): पर्यटन मंत्रालय ने राजस्थान सहित देश में 21 केंद्रीय आईएचएम, 35 राज्य संबंधी आईएचएम और 13 फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट (एफसीआई) की स्थापना में सहयोग दिया। आईएचएम आतिथ्य और होटल प्रशासन, खाद्य उत्पादन, आवास संचालन और ऐसे अन्य पाठ्यक्रमों में स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कार्यक्रम संचालित करता है।

भारत सरकार ने पूरे राजस्थान में पर्यटन और आतिथ्य शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अनेक पहल किए हैं, जिससे भरतपुर, नाथद्वारा, कुंभलगढ़ और मेवाड़ क्षेत्र के छात्र लाभान्वित होते हैं। राजस्थान राज्य में आठ संस्थानों, अर्थात जयपुर में 01 सीआईएचएम, जोधपुर, सवाई माधोपुर, झालावाड़, उदयपुर, धौलपुर में 05 एसआईएचएम और अजमेर तथा पाली में 02 एफसीआई का सुवितरित संस्थागत नेटवर्क है।

भरतपुर के छात्रों को एसआईएचएम धौलपुर (लगभग 50-60 किमी) से निकटता होने के कारण अतिरिक्त सहायता मिलती है, जो डिप्लोमा पाठ्यक्रम और कौशल-उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है।

इसी प्रकार नाथद्वारा और कुम्भलगढ़ के छात्र एसआईएचएम उदयपुर से लाभान्वित होते हैं, जबकि, मेवाड़ और मारवाड़ क्षेत्र के छात्रों के लिए एसआईएचएम जोधपुर तक सुगम पहुंच है, जिससे पर्यटन शिक्षा के लिए क्षेत्रीय पहुंच और सुगमता सुनिश्चित होती है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय "सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएसपी)" नामक अपनी योजना के तहत सरकारी और सूचीबद्ध निजी संस्थानों के माध्यम से आतिथ्य और पर्यटन से संबंधित अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करता है। इन कार्यक्रमों में हुनर से रोजगार तक, उद्यमिता कार्यक्रम, कौशल परीक्षण और प्रमाणन, पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम आदि शामिल हैं, ताकि मुख्य रूप से पर्यटन और आतिथ्य के क्षेत्र में अभ्यर्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाई जा सके। सीबीएसपी के तहत 2020-21 से अभी तक राजस्थान में कुल 7933 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

*****